Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to expedite Kanhar Barrage project in Garhwa district of Jharkhand.

-

श्री विष्णु दयाल राम (पलामू)ः कनहर जलाशय योजना की शुरूआत 1975 में हुई थी। इस योजना के अंतर्गत सर्वप्रथम गढ़वा जिले के बारीडीह स्थल पर एक डैम निर्माण का प्रस्ताव था। डैम के डूब क्षेत्र में छत्तीसगढ़ राज्य की वन एवं गैर-वन भूमि पड़ने के कारण छत्तीसगढ़ द्वारा डैम निर्माण के प्रस्ताव पर सहमति नहीं हो पाई। कनहर बैराज योजनान्तर्गत वर्तमान में कनहर नदी पर गढ़वा जिले के रांका प्रखण्ड के खुर्री ग्राम में एक बैराज का निर्माण तथा लावादोनी में एक जलाशय के निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया है। कनहर बैराज से एक मुख्य नहर निकलती है, जो लावादोनी जलाशय में जाती है। लावादोनी जलाशय से दो मुख्य नहर प्रस्तावित है। दायीं मुख्य नहर से 8703 हे. सिंचाई का प्रावधान है। बायीं मुख्य नहर से 42321 हे. सिंचाई का प्रावधान है। माननीय उच्च न्यायालय, झारखण्ड, रांची द्वारा (पी.आइ.एल. 4663/01 में पारित एक अंतरिम आदेश में) माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय से सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति द्वारा योजना के कार्यान्वयन हेतु मॉनीटरिंग की जा रही है। समिति की अनुशंसा के आलोक में कनहर बैराज परियोजना का डी.पी.आर. परामर्शी के माध्यम से तैयार कराने का निर्णय लिया गया है। उक्त के क्रम में M/s Lahmeyer International (India) Pvt. Ltd. कनहर बैराज परियोजना का डी.पी.आर. तैयार करने का कार्य एवं इसके EIA, EMP, हेतु डी.पी.आर. तैयार करने का कार्य M/s Mantec को दिया गया है। M/s Lahmeyer International (India) Pvt. Ltd. कनहर बैराज परियोजना का डी.पी.आर. कुल रू. 1903.36 करोड़ का तैयार कर समर्पित किया गया है, जिसकी जाँच केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली द्वारा की जा रही है। डी.पी.आर. पर सी.डब्ल्यू.सी. के टेक्निकल अप्रेजल एवं एम.ओ.ई.एफ. से क्लियरेंस प्राप्त करने के उपरांत योजना का निर्माण कार्य कराया जा सकेगा।

मैं सरकार से अनुरोध करता हूँ कि कनहर बैराज परियोजना को अतिशीघ्र पूर्ण करने हेतु विशेष रूचि दिखाई जाए, जिससे गढ़वा जिले के किसानों की खेती और सिंचाई से संबंधित एक बड़ी समस्या का समाधान हो सके।